एक नजर में

शांति देवी मिश्रा दिवंगत, अंत्येष्टि आज

सारंगपुर 05 जुलाई, सं. पूर्व हिन्दू समिति अध्यक्ष की माताजी एवं पंडित बालाबक्ष मिश्रा की धर्मपत्नी तथा विष्णु प्रसाद, विनोद मिश्रा, सतीश मिश्रा की माता श्रीमती शांति देवी मिश्रा का रविवार को दु:खद निधन हो गया. श्रीमती मिश्रा ने लंबे समय से अस्वस्थता के बीच रविवार को अंतिम सास ली. उनकी अंतिम यात्रा आज सुबह 10 बजे आदर्श नगर से मुक्ति धाम तक निकाली जायेगी.

स्मार्ट मीटर के विरोध विद्युत मंडल का घेराव आज

सारंगपुर 05 जुलाई, सं. करनी सेना परिवार एवं सर्व समाज द्वारा नगर में बड़े हुये बिजली के बिल एवं स्मार्ट मीटर के विरोध में विशाल धरना प्रदर्शन एवं विधुत मंडल कार्यालय का घेराव किया जायेगा. करनी सेना के माखन सिंह राणा ने प्रेस नोट जारी कर बताया की नगर में लंबे समय से महंगे बिलों से आम जनता काफी परेशान हो गई है. और स्मार्ट मीटर ने लोगों को महंगे बिजली के बिल देकर सुख चैन छीन लिया है. जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि जनता पर बढ़ते बिजली के बिलों का बोझ सहन नहीं किया जा सकता है. बिजली के बिल वापस लेना होगा और आम जनता को राहत देना होगा.

संत रविदास स्वरोजगार योजना से बने आत्मनिर्भर

राजगढ़ 05 जुलाई, का. जिले के ग्राम हबीपुरा निवासी श्रीमती मंजुबाई एवं उनके पति कमलसिंह ने जिला अंत्यावसायी विभाग की संत रविदास स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर अपना स्वरोजगार शुरू किया. वर्ष 2025-26 में ऑनलाइन आवेदन के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा राजगढ़ से उन्हें 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ. ऋण मिलने पर उन्होंने राजगढ़ में यूनियन बैंक के पास एमपी ऑनलाइन सेंटर एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की कियोस्क शुरू की. वर्तमान में दुकान से अच्छी आय हो रही है. दुकान का किराया और बैंक ऋण की मासिक किस्त जमा करने के बाद भी उन्हें लगभग 13 हजार रुपये प्रतिमाह की बचत हो रही है. श्रीमती मंजुबाई एवं कमलसिंह का कहना है कि इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है और आज वे अपना जीवन-यापन अच्छे से कर रहे हैं.

मानधन पेंशन योजना अंतर्गत शिविर आहूत

राजगढ़ 05 जुलाई, का. श्रम विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में श्रम कार्यालय, महिला एवं बाल विकास परियोजना राजगढ़, परियोजना खिलचीपुर तथा परियोजना जीरापुर में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएम-एसवाईएम) पेंशन योजना के अंतर्गत जागरूकता एवं पंजीयन शिविर आयोजित किए गए. शिविर में जिला श्रम अधिकारी सौरव गुप्ता एवं श्रम निरीक्षक मनोज चौहान ने उपस्थित श्रमिकों को योजना की पात्रता, पंजीयन प्रक्रिया एवं मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों से योजना का लाभ लेने की अपील की. इस दौरान पात्र हितग्राहियों का मौके पर ही पंजीयन भी किया गया. असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए अंशदायी पेंशन योजना है.

72 छोटे बांधों का निरीक्षण, सभी में खामियां मिली

जून के बजाय जुलाई में पहुंचा निरीक्षण दल, बांध सुरक्षा अधिनियम के तहत 3 दिनों तक जिले में किया भ्रमण

जून में होने वाला निरीक्षण जुलाई में बारिश के बाद शुरू हुआ, भरी बरसात में करने होंगे मामूली सुधार

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 05 जुलाई, का. जिले में बारिश का क्रम शुरू हो चुका है. करीब 200 मिमी बरसात पहुंचने की कगार पर है. बीते तीन दिनों से बारिश ने अपनी लय पकड़ी है. इस सबके बीच पिछले तीन दिनों से बांध सुरक्षा अधिनियम के तहत जिले के जल संसाधन संभाग के अंतर्गत 72 विनिर्दिष्ट बांधों का सुरक्षा निरीक्षण करने सुरक्षा विशेषज्ञों का दल पहुंचा. जिले के सभी छोटे 72 बांधों का टीम ने निरीक्षण किया है. दल ने सभी 72 बांधों में कमियां निकाली है. इनमें कटाव और इरीक्शन यानी मिट्टी के क्षरण जैसी कमियां सामने आई है.

यह निरीक्षण जून माह में नियमों के तहत किया जाता है लेकिन दल जुलाई में इन बांधों का निरीक्षण करने पहुंचा है. दल देरी से आया है ऐसे में अब विभाग के आगे इन कमियों के सुधार करने की बारिश के समय में चुनौती पैदा हो रही है.

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा लागू बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 के प्रावधानों के अनुसार सुरक्षा मानकों का निरीक्षण करने के लिए विशेषज्ञ दल पिछले तीन दिनों से यहां भ्रमण कर रहा है.

इस दल में सुरक्षा विशेषज्ञ दल के राजीव कुमार सुकलीकर, बांध सुरक्षा सदस्य युवराज वारके, हाईड्रो मैकेनिकल सदस्य एके पांडेय द्वारा जिले के सभी 20 मीटर ऊंचाई तक के बांधों का निरीक्ष किया है.

सभी बांधों की पाल का बारीकी से किया निरीक्षण

बांधों पर इन मानकों की जांच की

कार्यपालन यंत्री राजगढ़ जेके ठाकुर ने चर्चा के दौरान बताया कि सभी 72 बांधों पर टीम ने पिछले तीन दिनों में कई सारे मानकों को चैक किया है. हालांकि सभी में काम की गुंजाईश है लेकिन सेफ्टी को लेकर किसी प्रकार की दिक्कत नहीं है. मानकों में बांधों से तेज बारिश में जल निकासी व्यवस्था, हाईड्रो मैकेनिकल उपकरण की जांच, पाल का निरीक्षण, मिट्टी कटाव की स्थित का निरीक्षण किया गया है. टीम ने पाड़ल्याखेड़ी, गोकुलपुरा, बांसखेड़ा, ढाबलीकला, ढाबलीखुर्द, झरखेड़ा, लिंबोदा, गोरखपुरा, बांकपुरा आदि सहित सभी 72 बांधों का निरीक्षण किया है.

जून में होता है निरीक्षण का शेड्यूल

भारत सरकार द्वारा बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 बनाया गया है. इसमें 10 से 20 मीटर ऊंचाई के बांधों की सुरक्षा, देखरेख के लिए अलग से विभागीय टीम बनाई जाती है. इन बांधों में निरीक्षण जून माह के पहले सप्ताह से यानी प्री मानसून के समय ही प्रारंभ किया जाना होता है. लेकिन इस मर्तबा जिले में टीम जुलाई माह में पहुंची है.

तीन दिनों तक की जांच

जांच दल के साथ हम बीते तीन दिनों से जिले के सभी 72 बांधों का निरीक्षण कर चुके है. सभी में आमूल चूल काम की आवश्यकता है. यह रूटीन प्रोसेस है. यह सही है कि जून में निरीक्षण होना था और इस बार लेट हुए है.

जेके ठाकुर, कार्यपालन यंत्री जलसंसाधन संभाग राजगढ़

10-15 साल पुराने हैं सभी छोटे बांध

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री जेके ठाकुर ने नवभारत से चर्चा के दौरान बताया कि सभी बांध करीब 10 से 15 वर्ष पुराने है. पहले शासन द्वारा इन्हीं छोटे बांधों के सहारे सिंचाई और पेयजल की आवश्यकताओं को पूर्ण किया जाता रहा है. सभी बांधों का निरीक्षण पूर्ण हो चुका है और सभी में काम की जरूतर है. हालांकि निरीक्षण भले ही देरी से हुआ है मगर रिपोर्ट आने के बाद त्वरित उस पर काम शुरू कर दिया जाएगा.

कटाव सुधारने भरी बरसात में होंगे काम

जलसंसाधन विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती मिट्टी के कटाव को बरसात में सुधारने की होगी. कांक्रीट जैसे निर्माण अथवा अन्य संरचनात्मक सुधारों को तकनीकि के माध्यम से किया जा सकता है. लेकिन पाल की मिट्टी क्षरण को फिर से भरना चुनौती भरा होता है. बरसते पानी में मिट्टी बहती है और मुरम उसे टिका नहीं पाती. जिले में अधिकांश काली मिट्टी और मुरम की क्रस्ट और पाल बनाई गई है ऐसे में विभाग अब इस छोटे से सुधार को बड़ी समस्या की तरह देख रहा है.

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया

राजगढ़ 05 जुलाई, का. एसपी अमित तोलानी द्वारा अपराध नियंत्रण को लेकर आयोजित बैठक के दौरान उत्कृष्ट विवेचना कर न्यायालय से अपराधियों को दंडित कराने वाले विवेचकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. साथ ही विभिन्न कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारियों को अलग-अलग श्रेणियों में प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. पुलिस अधीक्षक महोदय ने समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे जनसहयोग से स्थापित कराने, चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं का त्वरित डिटेक्शन सुनिश्चित करने तथा फरियादियों की शिकायतों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए. इसके अतिरिक्त सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण, नियमित पुलिस चौपाल आयोजित कर आमजन से संवाद स्थापित करने तथा कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. बैठक में यातायात जागरूकता अभियान एवं सेफ क्लिक 2.0 अभियान को प्रभावी रूप से संचालित कर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए. साथ ही साइबर अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा साइबर अपराधियों के विरुद्ध शीघ्र एवं कठोर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए.

किसान ने नपाकर्मियों पर मारपीट का आरोप लगाया

हाथ में फ्रैक्चर, पुलिस ने अज्ञात पर लिखी एफआईआर

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 05 जुलाई, का. ब्यावरा शहर के पीपल चौराहे के समीप सब्जी बेच रहे एक बुजुर्ग किसान के साथ कथित रूप से नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा मारपीट और धक्का-मुक्की किए जाने का मामला सामने आया है. इस घटना में किसान के हाथ में फ्रैक्चर होने का दावा किया गया है. ग्राम बरखेड़ा निवासी 65 वर्षीय रोड सिंह पिता शोभाराम यादव गांव से लहसुन, प्याज और अन्य सब्जियां लेकर ब्यावरा बेचने आए थे. वे पीपल चौराहे से कुछ आगे सड़क किनारे अपनी सब्जियां बेच रहे थे. किसान का आरोप है कि इसी दौरान नगर पालिका के कुछ कर्मचारी वहां पहुंचे.

कर्मचारियों ने पहले उन्हें वहां से हटने के लिए धमकाया और फिर उनकी सब्जी व तराजू अपने कब्जे में ले लिया. पीड़ित किसान का कहना है कि नगर पालिका कर्मचारी रूप किशोर शर्मा सहित अन्य लोगों ने उनके साथ डंडे से मारपीट की और धक्का दे दिया. धक्का लगने से वह सड़क पर गिर पड़े, जिससे उनके हाथ में गंभीर चोट आई. बाद में जांच में हाथ में फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद उनका उपचार ब्यावरा के एक निजी अस्पताल में कराया गया.

घटना के बाद किसान ने सिटी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. किसान ने अपनी शिकायत में नगर पालिका के कर्मचारियों के नाम भी बताए हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. दूसरी ओर, पुलिस ने फिलहाल अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. यह घटना शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है. यदि जांच में नगर पालिका कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आती है तो यह मामला और गंभीर हो सकता है.

रविवार को 7 घंटे चली बिजली कटौती, परेशान हुए लोग

ब्यावरा 05 जुलाई, का. रविवार को नगर में कई हिस्सों में सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक दो बार बिजली कटौती की गई. करीब 7 घंटे तक चली बिजली कटौती के कारण लोग परेशान हुए. सुबह नगर में 11 केव्ही राजगढ़ रोड़ फीडर पर मेंटिनेंस के चलते कटौती का मैसेज लोगों के पास पहुंचा जिसमें सुबह 9 बजे से 11 बजे तक बिजली कटौती का शेड्यूल था. लेकिन सुबह 8 बजे बिजली सप्लाई बंद कर दी गई. इसके बाद करीब 9 बजे फिर से कटौती हुई जो कि साढ़े 11 बजे लौटी. वहीं दोपहर 1 बजे फिर से बिजली गुना नाके ईलाके में गुल हुई जो कि दरे शाम 6 बजे लौटी. रूकरूक कर घंटों तक की जाने वाली कटौती से लोग परेशान रहे और बिजली कंपनी में फोन कर अपनी समस्या का हल ढूंढते नजर आए. इसी प्रकार जीरापुर शहर में भी दोपहर बाद बिजली कटौती की गई जो कि शाम करीब 6 बजे तक गुल रही. बीते दिनों ट्रांसफार्मर लगने के बाद भी पचोर में रविवार को ट्रिपिंग की समस्या सामने आई. शहर के मेन बाजार, प्रेस कॉलोनी ईलाके से लोगों ने शिकायतें की.

जिला मुख्यालय पर नल का शेड्यूल गड़बड़ाया

नगर पालिका में फोन लगाने पर भी नहीं मिल रहा जवाब

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 05 जुलाई, का. जिला मुख्यालय बीते एक सप्ताह से पेयजल प्रदाय को लेकर खासा परेशान है. कभी मोटर खराब होना, कभी नलों से गंदा और बदबूदार पानी आना समस्या बन रहा है. पुराने शहर में जैसे तैसे जल प्रदाय पुरानी व्यवस्था के तहत हो पा रहा है लेकिन सर्वाधिक परेशानी नए शहर में आ रही है. जिला मुख्यालय अब लगातार कॉलोनी और नए रहवासी ईलाकों के साथ विस्तार ले रहा है. इनमें खिलचीपुर नाका और खुजनेर रोड़ पर सर्वाधिक आवासीय क्षेत्र विकसित हो चुका है. इनमें मटका कॉलोनी, भंवर कॉलोनी शिवधाम कॉलोनी आदि शामिल है. इन क्षेत्रों में जल प्रदाय का

नियमित शेड्यूल गड़बड़ हो चुका है. हालत यह है कि लोगों को अब नगर पालिका में फोन लगाकर नल का शेड्यूल पता करना पड़ रहा है और उसमें भी उन्हें सही जवाब नहीं मिल पा रहा है. कई लोग ऐसे भी है जो नगर के वाट्सअप ग्रुपों में मैसेज डालकर एक दूसरे से नल के टाईमिंग की जानकारी ले रहे है. नगर के उमाशंकर शर्मा ने बताया कि उनके क्षेत्र में पेयजल प्रदाय को लेकर पूरा शेड्यूल लंबे समय से गड़बड़ है. ऐसे में पानी को लेकर काफी दिक्कतें आ रही है.

कॉलेज में विद्यार्थियों ने ओपन जिम में किया व्यायाम

राजगढ़ 05 जुलाई, का. प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजगढ़ में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू की वार्षिक परीक्षाएँ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं. अंतिम परीक्षा दिवस पर बीएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर स्थित भारत माता उद्यान में स्थापित नवीन ओपन जिम का उपयोग कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया. प्राचार्य डॉ. वीबी खरे ने विद्यार्थियों को परीक्षा पूर्ण होने पर शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है. उन्होंने विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों से ओपन जिम का नियमित उपयोग करने तथा अभिभावकों से बच्चों को शिक्षा के साथ स्वास्थ्य और खेल गतिविधियों के लिए भी प्रेरित करने का आग्रह किया.

पुलिस जांच कर लौटी, 7 दिन बाद फिर से घुसे चोर

ग्राम लोधीपुरा में लगातार चोरी से दहशत में लोग

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 05 जुलाई, का. समीपस्थ ग्राम लोधीपुरा में बीते 16 जून को चोरी की घटना के बाद ग्रामीणों को पुलिस को शिकायत आवेदन दिया था. पुलिस ने मामला दर्ज किया और गांव में दौरा भी किया. इसके बावजूद बदमाशों के हौंसले कम नहीं हुए है. एक बार फिर से चोरों ने अपनी दस्तक गांव में दी है. एक घर पर करीब आधा दर्जन लोग मकान में घुसने की कोशिश कर रहे थे. ग्रामीणों की सूझबझू से चोरी की घटना टल गई. हालांकि घटना के बाद ग्रामीणों ने फिर से पुलिस को आवेदन दिया है. करीब एक सप्ताह पूर्व का मामला बताया जा रहा है.

जानकारी के अनुसार समीपस्थ ग्राम लोधीपुरा में पिछले एक साल से अज्ञात चोरों ने लोगों में दहशत मचा रखी है. करीब दो-तीन चोरियां बीते एक वर्ष में हो चुकी है और किसी में भी पुलिस को अब तक सफलता नहीं मिला है. सभी चोरियों में समान पैटर्न पर गहने घर से हवा कर दिया. ग्रामीणों ने पुलिस को शिकायत की है. लेकिन पुलिस बदमाशों तक नहीं पहुंच पाई है. एक बार फिर से चोरी की घटना सामने आई है.

मार्च से लेकर जून तक चार बार चोरों ने धावा बोला- जानकारी के अनुसार बीते 18 जून की दरमियानी रात दिलीप पिता रामप्रसाद लववंशी और उसके भाई विनोद लववंशी ने सिटी थाने पहुंचकर आवेदन दिया था. वे अपने गांव लोधीपुरा में रात के समय खाना खाकर सो गए थे. उनकी बच्ची रात करीब 4 बजे उठी और रोने लगी. जब उन्होंने घर में देखा तो दरवाजा खुला था. और अलमारी के ताले टूटे थे. उन्होंने अपनी पत्नि को उठाया और जांच की तो सोने और चांद का मंगलसूत्र, चांदी की पाजेब, सोने की अंगूठी, पैर के चांदी के पट्टे, बिछुडी आदि आभूषण चोरी पाए गए. वहीं नगदी भी गायब थी. आवेदक प्रायवेट टीचर है. मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध मामला दर्ज कर लिया है.

एक साल पुरानी चोरी का नहीं लगा सुराग- गत वर्ष 18 मार्च 2025 को इसी गांव में बदमाशों ने एक घर से बड़ी चोरी को अंजाम दिया था. बदमाशों ने बिजली कंपनी में पदस्थ हीरालाल पिता पूनमचंद्र लववंशी के घर से दिन के समय करीब 2 से 4 के बीच मेन गेट का ताला तोड़कर सोने चांदी के करीब 10 लाख रूपए कीमती आभूषणों की चोरी की थी. फरियादी ने मामले में पुलिस को सिटी थाने में शिकायत दर्ज कराई. अब तक एक वर्ष बाद भी बदमाशों का सुराग नहीं लग पाया है. आवेदक के अनुसार वह कई बार थाने में अपनी शिकायत दर्ज करा चुका है लेकिन मामले में किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई है. हीरालाल लववंशी के अनुसार गांव में दो दिन पूर्व ही रघुवीर लोधा ग्राम लोदीपुरा के घर में चोरों द्वारा दीवाल खोलेने का प्रयास किया गया. वहीं चंद्र सिंह भिलाला के घर के कवेलू हटाए गए.

व्यवस्था ई विकास पोर्टल के फार्मर आईडी से पूरी टोकन से वंचित रहे गए जिले के किसान

खाद के लिए केवल 80 प्रतिशत टोकन ही ले पाए किसान

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 05 जुलाई, का. बारिश की आमद के पहले ही किसान बोवनी में जुट गया था. इसके पूर्व उसने खाद और यूरिया जैसे साधनों को जुटा लिया था. इन सबके बीच महंगा यूरिया खरीदने को भी उसे मजबूर होना पड़ा था. किसानों ने बोवनी की और जैसे तैसे खाद और यूरिया भी जुटाई. अब बोवनी लगभग पूर्ण हो चुकी है और किसान अपने खेतों में फसल की अगली देखरेख में जुट गया है. जिले में खाद को लेकर टोकन व्यवस्था की गई थी. लेकिन तय लक्ष्य से शत प्रतिशत टोकन के माध्यम से किसानों को खाद नहीं मिल पाई. इसका कारण विभागीय नहीं बल्कि तकनीकि खामी होना है.

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष खाद वितरण को पारदर्शी, सुलभ और आधुनिक रूप से किसान उपयोगी बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा टोकन प्रणाली लाई गई. इसमें किसान अपनी फार्मर आईडी को ई विकास पोर्टल से लिंक होने के बाद सर्वे नंबर के हिसाब से जरूरत का यूरिया जुटा सकता है. लेकिन तथ्य सामने यह आया है कि महत 80 प्रतिशत किसानों को भी टोकन सुविधा से जरूरत का खाद मिल पाया है. यानी किसान तो सभी खाद लेने पहुंचे लेकिन ई विकास पोर्टल से लिंक नहीं होने के कारण उन्हें अपनी शत प्रतिशत भूमि सर्वे के हिसाब से खाद नहीं मिल पाया है.

पटवारियों के सामने परेशानी- इधर ई विकास पोर्टल पर किसानों की आईडी पूर्ण तरीके से लिंक नहीं होने पर वे पटवारियों के चक्कर लगा रहे है. पटवारी उनकी आईडी को लिंक करेंगे उसके बाद भी ई विकास पोर्टल पर किसानों की समस्त भूमि नजर आएगी. कई किसानों के पास दो अलग स्थानों पर कृषि भूमि है. किसी ने बाद में अन्य भूमि को क्रय किया. पुश्तैनी और बंटवारा प्रकरणों की भूमि में परेशानी नहीं है. लेकिन अलग से मौजूद कृषि भूमि का ई विकास पोर्टल पर इंद्राज कराना जरूरी है. मामले में कृषि विभाग राजगढ़ के विशाल भालसे ने बताया कि करीब 95 प्रतिशत किसानों को टोकन प्रणाली से खाद वितरण किया जा चुका है. उन्होंने बताया कि पटवारी के माध्मय से किसान अपने रिकॉर्ड को ई विकास पोर्टल पर दर्ज करा सकते है. टोकन व्यवस्था में किसी प्रकार की परेशानी नहीं है.

ई विकास पोर्टल से अधिकांश फार्मर आईडी लिंक नहीं

पूरे मामले में जो तकनीकि समस्या सामने आई है वह शासन स्तर पर ई विकास पोर्टल का संपदा के साथ लिंक नहीं होना है. अभी भी कई किसानों के सभी सर्वे नंबर भूमि ई विकास पोर्टल पर दर्ज नहीं है. साथ ही विकास पोर्टल पर किसानों की अलग-अलग सर्वे की भूमि दिखाई नहीं दे रही है. टोकन जारी करते समय किसान की कुल भूमि जो ई विकास पोर्टल पर दिख रही है अथवा लिंक है उसी अनुपात में खाद का वितरण किया जाता है.